हिमालयन ब्राउन बियर

प्रिलिम्स के लिये:

अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ, ज़ूलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, भारतीय वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972, ग्लोबल वार्मिंग

मेन्स के लिये:

वन्यजीव संरक्षण एवं जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में अध्यन का महत्त्व

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **ज़ूलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया** (Zoological Survey of India) के वैज्ञानिकों द्वारा **पश्चिमी हिमालय** में किये गए एक अध्ययन के परिणामों के आधार इस बात की संभावना व्यक्त की है कि **वर्ष 2050** तक **हिमालयन ब्राउन बियर** (Himalayan Brown Bear) के निवास स्थान में लगभग **73%** की भारी गिरावट आ सकती है।

//

प्रमुख बिंदु:

- यह अध्ययन **हिमालयन ब्राउन बियर** जिसका वैज्ञानिक नाम **उरसस आर्कटोस इसाबेलिनिस (Ursus Arctos Isabellinus)** है, के संदर्भ में किया गया।
    - अध्ययन के परिणामों के आधार पर यह आशंका जताई गई है कि निकट भविष्य में **जलवायु परिवर्तन** के कारण इनके **आवास** (Habitat) एवं **जैविक गलियारों** (Biological Corridors) में कमी देखने को मिल सकती है।
- अध्ययन के अनुसार, **संरक्षित क्षेत्रों** (Protected Areas) के बीच कनेक्टिविटी के नुकसान/कमी के चलते **13 संरक्षित** क्षेत्रों में स्थित **निवास स्थानों** (Habitat) में क्षति देखने को मिलेगी जिनमें से आठ निवास स्थान **वर्ष 2050** तक पूरी तरह से निर्जन/आबादी रहित (Uninhabitable) हो जाएंगे।
- इस अध्ययन में **हिमालयन ब्राउन बियर** को एक उदाहरण के रूप में लेने का मुख्य कारण यह है कि यह उच्च हिमालयी क्षेत्र में पाया जाने वाला एक **बड़े मांसाहारी** जानवर है।
    - जिन ऊँचाई वाले क्षेत्रों में बियर/भालू की यह प्रजाति पाई जाती है वह **ग्लोबल वार्मिंग** की दृष्टि से सबसे अधिक असुरक्षित क्षेत्र है क्योंकि ये क्षेत्र हिमालय के अन्य ऊँचाई वाले क्षेत्रों की तुलना में अत्यधिक तेज़ी से गर्म हो रहे हैं।
- इस अध्ययन को **अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान पत्रिका** (International Science Journal) में **'हिमालयन ब्राउन बियर के संरक्षण के लिये संरक्षित क्षेत्र नेटवर्क की अनुकूल स्थानिक योजना'** (Adaptive spatial planning of protected area network for conserving the Himalayan Brown Bear) नामक शीर्षक में प्रकाशित किया गया है।

हिमालयन ब्राउन बियर

(Himalayan Brown Bear):

- **हिमालयन ब्राउन बियर** हिमालय के ऊँचाई वाले क्षेत्रों में सबसे बड़े मांसाहारी जीवों में से एक है।
- भारत में यह पश्चिमी हिमालयी राज्यों **जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश** और **उत्तराखंड** में 3000-5000 मीटर की ऊँचाई पर पाया जाता है।
- इसकी छोटी एवं अलग-अलग आबादी **भारत** और **पाकिस्तान** के दूरदराज़ के ऊँचे हिमालय पहाड़ी क्षेत्रों में पाई जाती है।
- **अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ** (International Union for Conservation of Nature-IUCN) द्वारा **हिमालयन ब्राउन बियर** को **सुभेद्य** (Vulnerable) प्रजाति की सूची में शामिल किया गया है।
- यह **भारतीय वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972** की अनुसूची 1 के तहत सूचीबद्ध है।

ज़ूलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया:

- इसकी स्थापना 1 जुलाई, 1916 में की गई थी।
- इसका उद्देश्य असाधारण एवं प्राकृतिक रूप से अत्यधिक महत्त्वपूर्ण विभिन्न जानवरों से संबंधित सर्वेक्षण एवं अनुसंधान द्वारा जानकारी इकट्ठा करना है।

उद्देश्य:

- अध्ययन का मुख्य उद्देश्य वैज्ञानिकों को पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में प्रजातियों के संरक्षण के लिये एक **संरक्षित क्षेत्र नेटवर्क** विकसित करने हेतु **अनुकूल स्थानिक योजना** का सुझाव देने के लिये प्रेरित करना है।
- **संरक्षित क्षेत्रों के लिये 'अनुकूल स्थानिक योजना'** का उद्देश्य जलवायु परिवर्तन के जोखिमों और अनिश्चितता को कम करना है।

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/massive-habitat-decline-for-the-himalayan-brown-bear